https://universitynews.in/

Roll No. ....

ED–2093

B. A. (Part I) EXAMINATION, 2021

HINDI LITERATURE

Paper First

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

https://universitynews.in

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट।
पूरा किया बिसाहुणाँ, बहुरि न आवौं हट्ट॥
सतगुरु मिल्या त का भया, जे मनि पाड़ी भोल।
पासि बिनंठा कप्पड़ा, कया करै बिचारी चोल॥

अथवा

रोइ गँवाए बारहमासा। सहस सहस दुख एक एक साँझा॥
तिल तिल बरख परिजाई। पहर पहर जुग जुग न सेराई॥
सो नहिं आवै रूप मुरारी-जासौं पाव सोहाग सुनारी॥
साँझ भए झुरि-झुरि पथ हेरा। कौनि-सो धरी करै पिउ फेरा॥
दहि कोइला भइ संत सनेहा। तोला माँसु रही नहि देहा॥

P. T. O.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

(ख) ऊधौ मन न भए दस बीस।

एक हुतौं से गयौं स्याम संग, को आराधैं ईस।

इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।

आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस॥

तुस तौ सखा स्याम सुंदर कै, सफल जोग के ईस।

सूर हमारे नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस॥

अथवा

जोग ठगौरी ब्रज न बिकै हैं।

यह व्योपार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहैं॥

जाकै लै आए हो मधुकर ताके उर न समहै।

दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुख खैहैं॥

भूरी के पातन के कैना को मुक्ताहल दैहें।

सूरदास प्रभु गुनहिं छाँड़ि कै को निर्गुन निरबैहें॥

(ग) बरनि राम गुन झीलु सुभाऊ। बोले प्रेम पुलकि मुनिराऊ॥

भूप सजेउ अभिषेक समाजू। चाहत देन तुम्हहि जुबराजू॥

राम कहहु सब संजम आजू। जौ विधि कुसल निबाहै काजू॥

जनमे एक संग सब भाई। भोजन सायन केलि लरिकाई॥

करनबेध उपणीत बिआहा। संग-संग सब भए उछाहा॥

अथवा

प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान कहौ,

कैसे रहैं प्रान जौ अनखि अरसाय हौ।

तुम तो उदार दीन हीन आनि परयौ द्वार;

सुनियौ पुकार याहि कौ लौं तरसाय हौ।

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

चातकि है रावरो अनोखे-मोह-आवरो,
सुजान रूप-बावरो, बदन दरसाय हौ।
बिरह नसाय दया हिंय मैं बसाय आय,
हाय! कब आनंद को घन बरसाय हौं॥

2. "कबीर की साखियों में गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है।" सिद्ध कीजिए की यह आज भी प्रासंगिक है। 08

अथवा

"जायसी के प्रेम तत्व का चित्रण भारतीय जीवन की पृष्ठभूमि का भार्मिक अंग है।" व्याख्या कीजिए।

3. तुलसीदास के समन्वयवादी दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 08

अथवा

"सूर का भ्रमरगीत विप्रलमभ शृंगार का उत्कृष्ट उदाहरण है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. "घनानंद के काव्य में विरह अनुभूति की प्रधानता है।' तार्किक विवेचना कीजिए। 08

अथवा

घनानंद की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 18

(i) विद्यापति की भक्तिभावना

(ii) रीतिकाल

(iii) रसखान का रचना संसार

(iv) सुन्दरकाण्ड की कथावस्तु

(v) रहीम के नीतिपरक दोहे

P. T. O.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

6. निम्नलिखित में से किन्हीं बारह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 12

(i) कबीर के गुरु का नाम लिखिए।

(ii) मै उहता आंखिन की देखी। तू कहता कागद की लेखी। किसका पद हैं ?

(iii) हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने कालों में बाँटा गया है ?

(iv) किसी एक सूफी कवि का नाम लिखिए।

(v) पद्मावत के शुक का क्या नाम था ?

(vi) विद्यापति की पदावली किस भाषा में रची गई ?

(vii) तुलसीदास जी द्वारा रचित महाकाव्य का नाम बताइए।

(viii) सुजान कौन हैं ?

(ix) सूरसारावली के रचनाकार का नाम बताइए।

(x) जायसी का काव्य किस भाषा में लिखा गया है ?

(xi) भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य में किस नाम से जाना जाता हैं ?

(xii) दोहे छंद के लिए किस कवि को जाना जाता हैं ?

(xiii) भ्रमरगीत में भ्रमर शब्द से क्या अभिप्राय है ?

(xiv) 'प्रेम वाटिका' किस कवि की रचना हैं ?

(xv) साख्य भाव की भक्ति किस कवि ने की है ?

https://universitynews.in

https://universitynews.in/